Bihar Board Class 6 Science Notes Chapter 18 ठोस कचरा प्रबंधन

अध्ययन सामग्री:

आम तौर पर प्रत्येक व्यक्ति अपने दिनचर्या में कुछ-न-कुछ पदार्थों को – जहाँ-तहाँ छोड़ते चले जाते हैं जिसमें कुछ वस्तुएँ ऐसी होती हैं जिनका प्रयोग हम दुबारा नहीं कर सकते हैं। लेकिन कुछ ऐसे पदार्थ होते हैं। जिसका प्रयोग हम अन्य कार्यों में कर सकते हैं। लेकिन जहाँ-तहाँ छोड़ने पर यह बेकार हो जाते हैं तथा यही कचरा कहलाता है। यानि वे अपशिष्ट पदार्थ जो हमारे पर्यावरण के लिए प्रदूषक का काम करता हो उसे कचरा कहते हैं।

कचरा के रूप में फैले पदार्थों के अध्ययन से पता चलता है कि कुछ ऐसे पदार्थ हैं जो सड़-गल जाते हैं। कुछ सड़ते-गलते नहीं हैं। जो पदार्थ सड़-गल जाते हैं वे जैव निम्नीकरणीय पदार्थ कहलाते हैं। जैसे- फलों एवं सब्जियों के छिलके, कागज, गत्ता, पत्ती आदि। जो पदार्थ सड़ते-गलते नहीं हैं यानि जिसका जैविक विघटन नहीं हो पाता है उसे जैव अनिम्नीकरणीय – पदार्थ कहते हैं। जैसे- प्लास्टिक, धातु, काँच और सीमेंट आदि।

अपशिष्ट पदार्थ जैसे टूटे खिलौने, पुराने कपड़े, जूते, चप्पल, पॉलीथीन आदि को हमलोग जहाँ-तहाँ फेंक देते हैं जिससे वातावरण दूषित हो जाता है। इन अपशिष्ट पदार्थों के निम्नलिखित दुष्प्रभाव हो सकते हैं।

- वायु, जल एवं भूमि प्रदूषित होती है।
- स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ता है।
- वातावरण की सुन्दरता नष्ट हो जाती है। आदि।

वर्तमान में प्रदूषण अपने भयावह रूप को धारण करते जा रहा है जिससे पूरा सजीव-जगत के जीव-जन्तु तथा पेड़-पौधे प्रभावित हो रहे हैं। यदि यही स्थिति रही तो पूरे सजीव जगत का अस्तित्व खतरे में पड़ सकता है। आजकल पूरे संसार के अधिकांश गाँव और शहर कूड़े के निपटान की समस्या का सामना कर रहे हैं। कचरे को निपटाने के लिए ऐसे तरीके सोचें जा रहे हैं जो पर्यावरण को नुकसान न पहुँचाए एवं गाँव/शहर को भी साफ-सुथरा रख सके।

आजकल तो कचरा से कम्पोस्ट खाद आदि बनाया जाने लगा है। पूर्णत: गलने वाला कचरा, जिससे दुर्गध नहीं आती है। परिवर्तित यानि जैविक विघटन के माध्यम से विघटित होकर खाद बनाता हो। खाद बनाने की प्रक्रिया को. कम्पोस्टिंग कहते हैं।

प्रदूषण को रोकने के लिए हमें सरकार तथा गैर सरकारी संस्थान ने अनेक कदम उठाए हैं लेकिन यह सफल तभी होगा जबतक हम-आप जागरूक नहीं होंगे।

अतः हमें ऐसी चीजें इस्तेमाल करना चाहिए जिसका पुन:चक्रण हो सके। कम्पोस्ट खाद रसोई तथा बगीचे से निकलनेवाले कचरे का पुन:चक्रण करने का सबसे अच्छा तरीका है। कम्पोस्ट बनाने का अर्थ -पौधों और जन्तुओं के मृत शरीर और जैव-निम्नीकरणीय पदार्थों का सूक्ष्म जीवों द्वारा मिट्टी जैसे पदार्थ में बदलना। यह खेत को उपजाऊ बनाता है। खाद के रूप में पेड़-पौधों की वृद्धि में सहायक होता है। इससे हमें दो लाभ होते हैं- एक तो खाद मिल जाती है और दूसरा कचरे का भी निपटारा हो जाता है।

https://www.evidyarthi.in/

इस प्रकार हम-आप मिलकर कचरा कम फैलाएँ ताकि हमारा पर्यावरण साफ एवं स्वच्छ रह सके।

evidyarthi

https://www.evidyarthi.in/